

## इस सप्ताह साठ वर्ष पूर्व चर्चिल की मृत्यु हुई थी

क्या यह सही समय नहीं, आज हमारे गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगांठ के दिन चर्चिल की भारत के मुताल्लिक भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए?

- अंजन राय -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 जनवरी। पिछले कुछ समय से, सर विंस्टन चर्चिल के जीवन और समय में बहुत रुचि बढ़ी है, जिनका साठ वर्ष पूर्व, 24 जनवरी 1960 को निधन हो गया था।

भारत के गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर, उस काल के ऐतिहासिक व्यक्तियों की भूमिकाओं पर नए दृष्टिकोण सामने आ रहे हैं, जब भारत उपनिवेश से एक सम्प्रभु राज्य में परिवर्तित हो रहा था।

भारतीय दृष्टिकोण से, क्लैमेट एटली चर्चिल जितने महान ऐतिहासिक व्यक्तित्व के रूप में दिखाई पड़ते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के अन्त में एटली ने समय की जरूरतों को कहीं अधिक गहराई और समझदारी से महसूस किया था, जबकि, चर्चिल "सैल्फ आबसेस" थे।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने 1950 के दशक की शुरुआत में, बी.बी.सी. के साथ एक इंटरव्यू में भारत को उपनिवेशी शासन से मुक्त कराने के एटली के फैसले के संदर्भ में बात की थी। हालांकि, उन्हें उस समय एटली के

■ भारत के दृष्टिकोण से चर्चिल के बाद इंग्लैंड के प्र.मंत्री बने क्लैमेट एटली की भूमिका ज्यादा समझदारीपूर्ण व समय संगत थी।

■ द्वितीय विश्व के हीरो विंस्टन चर्चिल भारत को ब्रिटेन के साम्राज्य का हिस्सा बनाए रखने की कल्पना में ही बसर कर रहे थे, जबकि एटली भारत से इंग्लैंड की सम्मानजनक वापसी को विकल्प मान रहे थे।

■ एटली ने 1920 के दशक में हिन्दुस्तान का विस्तार से दौरा किया था तथा स्वतंत्रता आंदोलन का जमीनी असर देखकर उन्होंने भारत को स्वतंत्र करने की व्यवहारिकता को पहचाना था।

■ एक मत यह भी है, चर्चिल भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की गंभीरता को समझ नहीं पाये, बल्कि, भारत के प्रति असंवेदनशीलता का कलंक भी उन पर 1942, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लगा था।

■ चर्चिल ने बंगाल के लिये भेजे गये अनाज से भरे जहाजों को "डाइवर्ट" करके ब्रिटिश सेना की खपत के लिये भेजने का निर्णय लिया था, जिससे "ग्रेट बंगाल फैमिन", बंगाल में भारी भूखमरी फैली थी।

संदर्भ में एटली की "स्टेटमैन्शिप" की गहराई से जांच करने की आवश्यकता है।

ब्रिटेनवासी जहां आजकल चर्चिल की जरूरत से ज्यादा तारीफ कर रहे हैं, वहीं यह भी बता दें कि चर्चिल के दिलों दिमाग पर भारत एक जुनून की तरह छाया हुआ था।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मिली चुनावी हार के बाद, जब वो सत्ता में नहीं थे, तब भी चर्चिल भारत को इंग्लैंड के अंग के रूप में देखते थे। वो किसी भी हाल में "भारतीय संपत्तियों" से जुड़े रहना चाहते थे।

इस दृष्टिकोण से युद्ध खत्म होने तक चर्चिल "आउटडेटेड" हो गए थे। चर्चिल के बाद प्रधानमंत्री बने क्लैमेट एटली बदलते समय के साथ तालमेल बिटाने वाले आधुनिक सोच वाले व्यक्ति थे। वे समझ गए थे कि सम्मानजनक तरीके से भारत छोड़ देना ही एक मात्र विकल्प है। हालांकि ब्रिटेन की भारत से वापसी की प्रक्रिया काफी अव्यवस्थित और भयावह रही लोग इसमें मारे गए।

भले ही चर्चिल की चार हीरो के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## जेटली और सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण

-जाल खंभाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली तथा सुषमा स्वराज को मरणोपरांत दूसरा सर्वोच्च अवॉर्ड "पद्म विभूषण" प्रदान करने की घोषणा की गई। इसी प्रकार, मरणोपरांत पद्म विभूषण अवॉर्ड जॉर्ज फर्नांडीज तथा उडुपी के आध्यात्मिक गुरु विश्वेश्वरतीर्थ स्वामी को देने की घोषणा की गई। मणिपुर की स्पोर्ट्स स्टार एम.सी. मैरी कोम, मॉरीशस के अमेरुद जुगनाथ तथा उत्तर प्रदेश के छत्रलाल मिश्र को पद्म विभूषण दिये जाने की भी घोषणा की गई है।

देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में उपरोक्त सात पद्म विभूषण पुरस्कारों के अतिरिक्त 19 पद्म विभूषण तथा 113 पद्मश्री पुरस्कारों की घोषणा की गई है। पुरस्कार पाने वालों में 23 महिलाएं, दस विदेशी, एन.आर.आई., पी.ई.ओ. और ओ.सी.आई. श्रेणी के हैं। तैरह हस्तियों को ये पुरस्कार मरणोपरांत दिए जा रहे हैं।

## अवकाश की सूचना

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रदूत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

-प्रधान सम्पादक

## तुरंत प्रभाव से विदेशों को मदद के सभी प्रस्ताव व कार्यक्रम स्थगित किये

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के इस आदेश में केवल दो अपवाद मंजूर किये गये हैं, मिस्र इजरायल व मित्र को दी जाने वाली सहायता के प्रस्ताव

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट के एक आदेश पर शुक्रवार को मौजूदा सभी विदेशी सहायता के लिये "स्टॉप वर्क" आदेश जारी कर दिया गया। यह कदम राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के एक आदेश की अनुपालना में उठाया गया।

स्टेट डिपार्टमेंट के फॉरिन एडवोकेट जनरल द्वारा जारी किये गये तथा सैक्रेटरी ऑफ स्टेट, मार्को रुबियो द्वारा अनुमोदित केवल में कहा गया कि इजरायल तथा मिश्र के सैन्य वित्तीय पोषण के लिए छूट दी गई है। इनके अलावा, केवल में किसी अन्य देश का उल्लेख नहीं किया गया है।

सोमवार को, अपना पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही, ट्रम्प ने विदेशी विकास सहायता को 90 दिन के रोकने के आदेश दिये थे। इस बीच, उनकी विदेश नीति की क्षमताओं और जारी रखे जाने की समीक्षा लम्बित रहेगी।

लेकिन इस आदेश के क्षेत्र की जानकारी तुरन्त नहीं मिल सकी थी तथा यह अस्पष्ट था कि कौन-कौन सी फंडिंग रोकें जायेंगी, क्योंकि अमेरिकन कांग्रेस संघीय सरकार का

■ आदेश के अनुसार, सैक्रेटरी ऑफ स्टेट (विदेश मंत्री) मार्को रुबियो अगले 85 दिनों में अमेरिका द्वारा विदेशों में दी जा रही सहायता की सार्थकता व इफैक्टिवनेस का मुआयना करेंगे तथा फिर इस मूल्यांकन के बाद निर्णय लेंगे कि किन देशों को किन-किन प्रोग्रामों के अंतर्गत सहायता दी जाये या नहीं।

■ जैसा कि विदित ही है, राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की थी कि अमेरिका द्वारा विदेशों को दी जा रही सहायता को 90 दिन "स्टॉप वर्क" के आदेश से स्थगित किया जायेगा। ट्रम्प की इस घोषणा के अंतर्गत अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने अन्य देशों को दी जा रही सहायता के मुताल्लिक यह स्थगन आदेश निकाला है।

बजट तैयार करती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प का उक्त आदेश गैर कानूनी है क्योंकि इस कांग्रेस में चुनौती मिलना तय है।

एक विशेषज्ञ ने अपना नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा, "इन अंतर्राष्ट्रीय निवेशों को फ्रीज कर देने से हमारे अंतर्राष्ट्रीय पार्टनर इसकी पूर्ति के लिये फंडिंग पार्टनर तलाश करेंगे, जो या तो अमेरिका के साथ प्रतिस्पर्धा रखने वाले होंगे या उसके विरोधी। तथा जब तक यह गैर कानूनी रोक जारी रहेगी, वे

देश अमेरिका के प्रभाव की जगह जरूरतमंद देशों पर अपना प्रभाव कायम रखेंगे।"

स्टेट डिपार्टमेंट का मौमो, जो तत्काल प्रभावी हो गया है, में कहा गया है कि वरिष्ठ अधिकारी "यह सुनिश्चित करेंगे कि, कानून के अंतर्गत अधिकतम सीमा तक, विदेशी सहायता के लिये तब तक और कोई नया अनुबंध नहीं किया जायेगा", जब तक रुबियो, समीक्षा के बाद, कोई निर्णय नहीं ले लेते।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)



## गणतंत्र दिवस

### राज्य स्तरीय मुख्य समारोह

26 जनवरी, 2025 | प्रातः 9:30 बजे

४ महाराणा भूपाल स्टेडियम, उदयपुर

आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

आप सभी से निवेदन है कि समारोह में प्रातः 8:30 बजे तक पधार कर अपना स्थान ग्रहण करें।

सामान्य प्रशासन विभाग, राजस्थान सरकार



श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्री



श्री भजनलाल शर्मा  
माननीय मुख्यमंत्री

## गणतंत्र दिवस पर विकसित व परम वैभवशाली भारत बनाने का संकल्प लें।

### विदेशियों द्वारा भारत माता की लूट

ऑक्सफैम ग्लोबल यूके एक विश्व प्रसिद्ध संस्था के द्वारा हाल ही में एक सर्वे आया है कि 1765 से लेकर 1900 के बीच में ब्रिटिशर्स ने 64.82 ट्रिलियन डॉलर्स की लूट की है। इससे पहले और बाद की अंशेजों, पुर्तगालियों, डचों, हूण, शक एवं मुगलों की लूट का आंकड़ा इसमें सम्मिलित नहीं है। 1000 वर्षों की लूट को यदि औसत रूप में भी देखें तो यह कम से कम 100 ट्रिलियन से ऊपर होगी। देश की सकल अर्थव्यवस्था के आकार की दृष्टि से यदि लूट को 25% माने तो भारत की कुल अर्थव्यवस्था 500 साल पहले अनुमानित 500 ट्रिलियन रही होगी।

ये भारत की परम समृद्धि का विदेशी संस्थाओं द्वारा दस्तावेजों के आधार पर आंकलन है। हम चाहते हैं लूट के इन सत्यों एवं तथ्यों का बोध सब भारतवासियों को हो और आगे हम भारत माता को इन विदेशी ताकतों की लूट से बचाने के लिए संकल्पित एवं संगठित होकर आज से ही स्वदेशी का व्रत लें। स्वदेशी के इस महायज्ञ में पतंजलि भी अपनी एक विनम्र सेवा राष्ट्र को समर्पित कर रहा है।

विदेशियों ने तो मल्टी ट्रिलियन डॉलर्स की लूट की है और अभी भी साबुन, शैंपू, तेल, कोल्ड ड्रिंक, पिज्जा, बर्गर आदि बेचकर देश का धन विदेश ले जा रहे हैं।

### पतंजलि द्वारा भारत माता एवं सनातन की सेवा

पतंजलि ने 30 वर्षों में लगभग एक लाख करोड़ रुपये से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अनुसंधान से लेकर, चरित्र निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण के कार्यों द्वारा भारत माता की सेवा की है और यह सेवा यज्ञ अखण्ड रूप से चल रहा है।

इस गणतंत्र दिवस पर स्वदेशी का व्रत लेकर पतंजलि के श्रेष्ठतम स्वदेशी प्रोडक्ट्स को अपनाकर एक जागरूक नागरिक का कर्तव्य निभाएं और आर्थिक लूट व गुलामी से देश को बचायें। देश का पैसा देश में रहे और देश सेवा में लगे, यही हमारे स्वदेशी अभियान का मूल सिद्धांत है। हमने पुरुषार्थ से अर्जित अर्थ को परमार्थ में लगाकर Prosperity for Charity का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।



### महाकुंभ पर सनातन का संकल्प

सनातन धर्म के मूल सिद्धांत हैं एकता, समानता, आचरण की शुचिता, पुरुषार्थ की पराकाष्ठा, स्वधर्म निष्ठा, सद्भावना, वेद निष्ठा, गुरु निष्ठा एवं भगवान के सनातन सांस्कृतिक संविधान एवं देश के लोकतांत्रिक संविधान में पूर्ण निष्ठा।

जाति, वर्ग, समुदाय आदि के नाम पर किसी भी प्रकार का ऊंच-नीच, भेदभाव, पक्षपात, पाखंड, अंधविश्वास सनातन धर्म में नहीं है। हमें महाकुंभ पर्व पर सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों को 100% मानने, जीने एवं बढ़ाने के लिए संकल्पित, संगठित एवं समर्थ होकर सनातन धर्म को युग धर्म के रूप में प्रतिष्ठापित करने हेतु अपना सर्वस्व आहूत करना है और संगठित रूप से चल रहे सनातन के विरोध का सभी दिशाओं से प्रतिकार भी करना है।

महाकुंभ के अवसर पर कार्ष्णि आश्रम में पूज्यपाद स्वामी गुरु शरणानन्द महाराज जी के सानिध्य में

निःशुल्क योग चिकित्सा एवं ध्यान शिविर

स्थान- श्री गुरुकार्ष्णि कुम्भ मेला शिविर, सलौरी, सेक्टर-9, गंगेश्वर मार्ग, प्रयागराज

सम्पर्क करें : 8954555999

27 जनवरी से 30 जनवरी तक प्रातः 5:00 से 7:30 बजे

संगम स्नान के साथ योग-ध्यान के पुण्य से जीवन का सौभाग्य जगाएँ।